

रामदेव भीरा थारी बाईसा काग उडावे म्हारा भीरा

टेर सुगणा पुगल गढ माय खडी उडावे काग
मावडी जायो आवसी म्हारो उदय होवेला भाग
रामदेव भीरा थारी बाईसा काग उडावे म्हारा भीरा
आजा पूगल मेर मै

मावडी जाया थारी ओल्यू घणी आवे रोरो सुगणा
थाने बुलावे आकर धीर बन्धा जा रे म्हारा भीर रामदेव
रामदेव भीरा थारी बाईसा काग उडावे म्हारा भीरा
आजा पूगल मेर मै

अलगी म्हाने क्यू परणाई काई कसुर म्हारो ज्यू बीसराई
बचपन री प्रीत भुलाई रे म्हारा भीर रामदेव
रामदेव भीरा थारी बाईसा काग उडावे म्हारा भीरा
आजा पूगल मेर मै

जमले मे सुगणा री अर्जी गावे रामापीर वांरी विपदा मिटावे
लहरीदास जस गावे रे म्हारा भीर रामदेव
मूलचन्द सुणावे रे म्हारा भीर रामदेव
रामदेव भीरा थारी बाईसा काग उडावे म्हारा भीरा

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36319/title/ramdev-bira-thari-baaisa-kaag-udaave-mhara-bhira>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |